कुल छपे प्रश्नों की संख्या 28
कुल छपे पृष्ठों की संख्या 03

LRA-21-(XI) हिन्दी अनिवार्य –10000

नामांक

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र - 2019-20

विषय : हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3¼ घण्टे | कक्षा - XI (ग्यारहवीं) | पूर्णांक : 70

निर्देश : (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।
(2) विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न पत्र पर अनिवार्यत: लिखें।

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 4×1=4

सदग्रन्थ मानव समाज की अमूल्य निधि की समानता में समाज के पास अन्य कोई सम्पत्ति नहीं। मानव अपने जीवन के लिए जो कुछ भी उत्तन को प्राप्ति करता है, उसमें सद्ग्रन्थों का विशेष योगदान है। उत्तम ग्रन्थ पुस्तकालय की शोभा यात्रा ही नहीं हैं वरन् मानवीय गुणों के विकास में ये प्रमुख भूमिका निभाते हैं। आप किसी भी विषय की अच्छी पुस्तक लीजिए वह आपकी ज्ञान वृद्धि करेगी और आपकी चिर पिपासा शान्त कर सकेगी। जीवन के ऊँचे आदर्शों की स्थापना भी ये ग्रन्थ रत्न करते हैं। सत्य, शिवं सुन्दरम की त्रिवेणी का स्त्रोत् इन्हीं ग्रन्थों में है। अच्छा ग्रन्थ सर्वोच्च सुख की अनुभूति प्रदान करता है। जिस प्रकार अच्छे ग्रन्थ मानव कल्याण के वाहक हैं, उसी प्रकार बुरी पुस्तकें उतनी ही अनिष्ट कारक हैं। ऐसी निम्न श्रेणी की पुस्तकें सदैव त्याज्य है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ख) समाज की अमूल्य निधि क्या है?
(ग) मानव जीवन में सद्ग्रन्थों का विशेष योगदान क्या है?
(घ) 'मानवीय' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताइए।

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 4×1=4

प्रभु ने तुमको कर दान किये
सब वांछित वस्तु विधान दिये
तुम प्राप्त करो उनको न अहो,
फिर है किसका वह दोष कहो?
समझो न अलभ्य किसी धन को
न हो, न निराश करो मन को,
किस गौरव के तुम योग्य नहीं?
कब कौन तुम्हें सुख योग्य नहीं?
जन को तुम भी जगदीश्वर के,
सब है जिसके अपने घर के
फिर दुर्लभ क्या उसके मन को?
नर हो, न निराश करो मन को
करके विधि-वाद न खेद करो
निज लक्ष्य निरन्तर भेद करो।
बनता बस उधम की विधि है
मिलती जिससे सुख की निधि है।
समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को।
नर हो, न निराश करो मन को।

(क) वांछित वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने में किसका दोष है और क्यों?

(ख) विधि-वाद का खेद कौन व्यक्त करते हैं?

(ग) इस काव्यांश में क्या प्रेरणा दी गई है?

(घ) काव्यांश में कवि के कौनसे विचार का परिचय मिलता है?

खण्ड—ब

3. अविकारी शब्द किसे कहते हैं? इनके प्रकारों के नाम लिखिए? 1½
4. तत्सम व तद्भव शब्दों में अन्तर बताते हुए 2-2 उदाहरण लिखिए। 1½
5. शब्द की परिभाषा लिखिए? 1½
6. हाय अब मैं क्या करूँ वाक्य में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग कर पुनः लिखिए? 6
7. निम्न में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए—

(अ) स्वच्छता का हमारे जीवन में महत्त्व **(ब) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन**

(स) भारत में लोकतंत्र **(द) कन्या भ्रूण हत्या**

8. "जैसी संगति बैठिए, तैसोई फल होय" पल्लवन या भाव विस्तार कीजिए? 3

खण्ड—स

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 4

जान पहचान के लोग ऐसे हों, जिनसे हम कुछ लाभ उठा सकें। हमारे जीवन को उत्तम और आनंदमय बनाने में कुछ सहायता दे सकते हों, यद्यपि उतनी नहीं जितनी गहरे मित्र दे सकते हैं। मनुष्य का जीवन थोड़ा है उसमें खोने के लिए समय नहीं। यदि क, ख और ग हमारे लिए कुछ नहीं कर सकते हैं, न कोई बुद्धिमानी या विनोद की बातचीत कर सकते हैं, न कोई अच्छी बात बतला सकते हैं, न सहानुभूति द्वारा हमें ढाढ़स बंधा सकते हैं, न हमारे आनन्द में सम्मिलित हो सकते हैं, न हमें कर्त्तव्य का ध्यान दिला सकते हैं, तो ईश्वर हमें इनसे दूर ही रखें।

अथवा

ऐसे लोगों ने अनेक प्रकार के तत्त्व दर्शन बना रखे हैं। केवल जीवन धारण के लिए उपयोगी प्रयोजनों के पीछे दौड़ना पशु धर्म है। मनुष्य प्रयोजन के पीछे दौड़ने के लिए नहीं बना है, प्रयोजनों से जो अतीत धर्म है, वही मनुष्यत्व है। शक्ति, प्रेम, दया, सहानुभूति आदि गुण स्थूल प्रयोजनों की सिद्धी करे तो और न करे तो बड़े हैं और पालनीय हैं। आवश्यकता पड़ने पर मनुष्य को इन वास्तविक धर्म की रक्षा के लिए अपने आप को बलि चढ़ा देना चाहिए। मनुष्य इसलिए मनुष्य है कि उसमें मनुष्यत्व धर्म है!

10. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 4

"रानी मैं जानी अजानी महा, पबि पाहन हूँ ते कठोर हियो है।
राजहू काज अकाज न जान्यो, कहो तिय को जिन कान कियो है॥
ऐसी मनोहर मूरति ये, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियो है?।
आँखिन में सखि! राखिबे जोग, इन्हें किमि कै बनबास दियो है?"

अथवा

आदर्श जन संसार में इतने कहा पर हैं हुए?
सत्कार्य-भूषण आर्य्यगण जितने यहाँ पर हैं हुए।
है रह गये यद्यपि हमारे गीत आज रहे सहे।
पर दूसरों के भी वचन साक्षी हमारे हो रहे॥

11. धूल से भरे श्री कृष्ण के बाल-रूप का वर्णन कीजिए? 1½
12. "सिंह की गोद से छिनता रे शिशु कौन रे" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 1½
13. आवाजी सोनदेव ने शिवाजी को सबसे बड़ा तोहफा क्या देना चाहते थे और क्यों? 1½
14. सरदार वल्लभभाई पटेल को बर्फ से ढंका हुआ ज्वालामुखी किसने और किस कारण कहा था? स्पष्ट कीजिए। 2½

अथवा

''हार की जीत'' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

15. मैथिलीशरण गुप्त ने मानस भवन में किसकी आरती उतारने की बात कही है? 2

16. ''सवा-सवा लाख पर एक को चढ़ाउँगा'' पंक्ति का आशय लिखो? 2

17. ''बदली न जो अल्पायु पर भी वर लिया सो वर लिया।'' इस पंक्ति में किस आदर्श नारी की ओर संकेत किया गया है? बताइए। 2

18. पठित कविता ''अनल किरीट'' का केन्द्रिय भाव लिखते हुए कवि का, कविता में निहित उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

मीरा बाई की विरह वेदना को अपने शब्दों में लिखिए।

19. ''सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला'' अथवा हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य परिचय दीजिए। 3

खण्ड—द

20. 'बड़े घर की बेटी' शीर्षक कहानी के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए। 2

21. 'खेल' कहानी के आधार पर सुरबाला और मनोहर के चरित्र की विशेषताएँ लिखते हुए उनकी तुलना कीजिए? 2

22. ''जैबुन्निसा का चरित्र शरणदाता कहानी के उद्देश्य को पूर्ण करने वाला है'' स्पष्ट कीजिए। 2

23. ''अच्छी बात है, इस समय चित्त भी प्रसन्न है। किसी से मानव सृष्टि की आवश्यक सामग्री यहीं मँगवाओ। विधाता के अनुसार वे आवश्यक सामग्री कौनसी हैं?'' 2

24. हिन्दी कहानी के तत्वों पर प्रकाश डालिए? 3

अथवा

हिन्दी कहानी के विकास में प्रेमचन्द का क्या योगदान रहा है? उल्लेख कीजिए।

25. **विश्व में पत्रकारिता का आरम्भ कहाँ से हुआ?** 1

26. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास में गाँधी युग कब शुरु हुआ? 2

27. जनसंचार के लोक माध्यम क्या हैं? समझाइए। 2

28. संस्था प्रधान की ओर से पुलिस अधीक्षक, यातायात को पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षु चालक अनुज्ञप्ति-पत्र शिविर (लर्निंग लाइसेन्स कैम्प) लगवाने का अनुरोध किया गया हो। 4

□ □ □